श्री कृष्ण महाविद्यालय

गोविंदगढ़ (जयपुर)

श्री कृष्ण महाविद्यालय

गोविन्दगढ़ (जयपुर)

सत्र :– 2021-22

ग्रामीण क्षेत्रीय भौगोलिक सर्वेक्षण

नाम :– ग्राम बिशनगढ तह, शाहपुरा जिला (जयपुर)

विद्यार्थी का नाम :– लक्की यादव

पिता का नाम :– प्रहलाद यादव

कक्षा :– एम.ए./एम.एस.सी पूर्वाद्ध (भूगोल)

सर्वेक्षणकर्ता
लक्की यादव

निर्देशक
7/2/2022

ॐ

भारत में राजस्थान की स्थिति

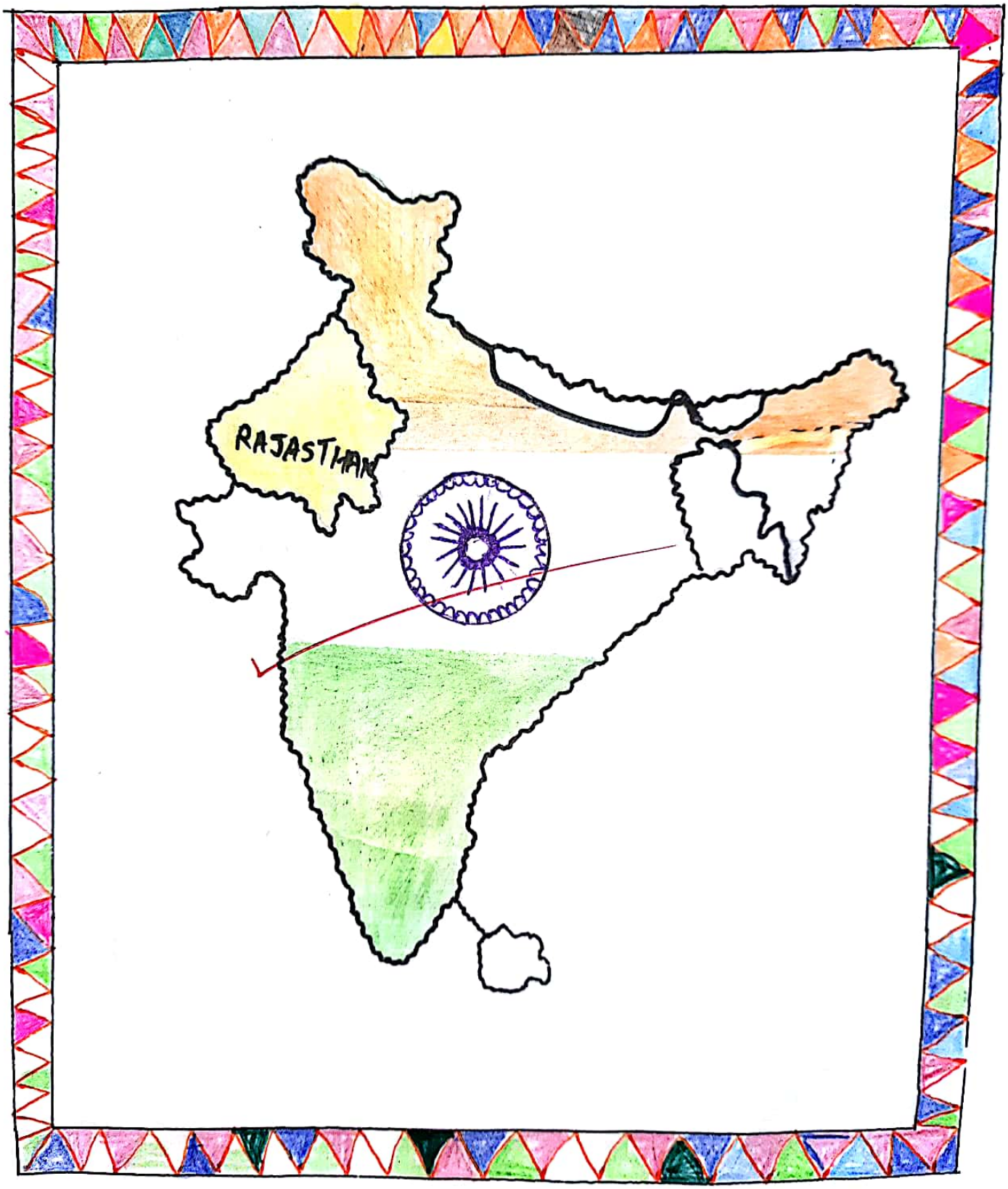

राजस्थान में जयपुर जिले की स्थिति

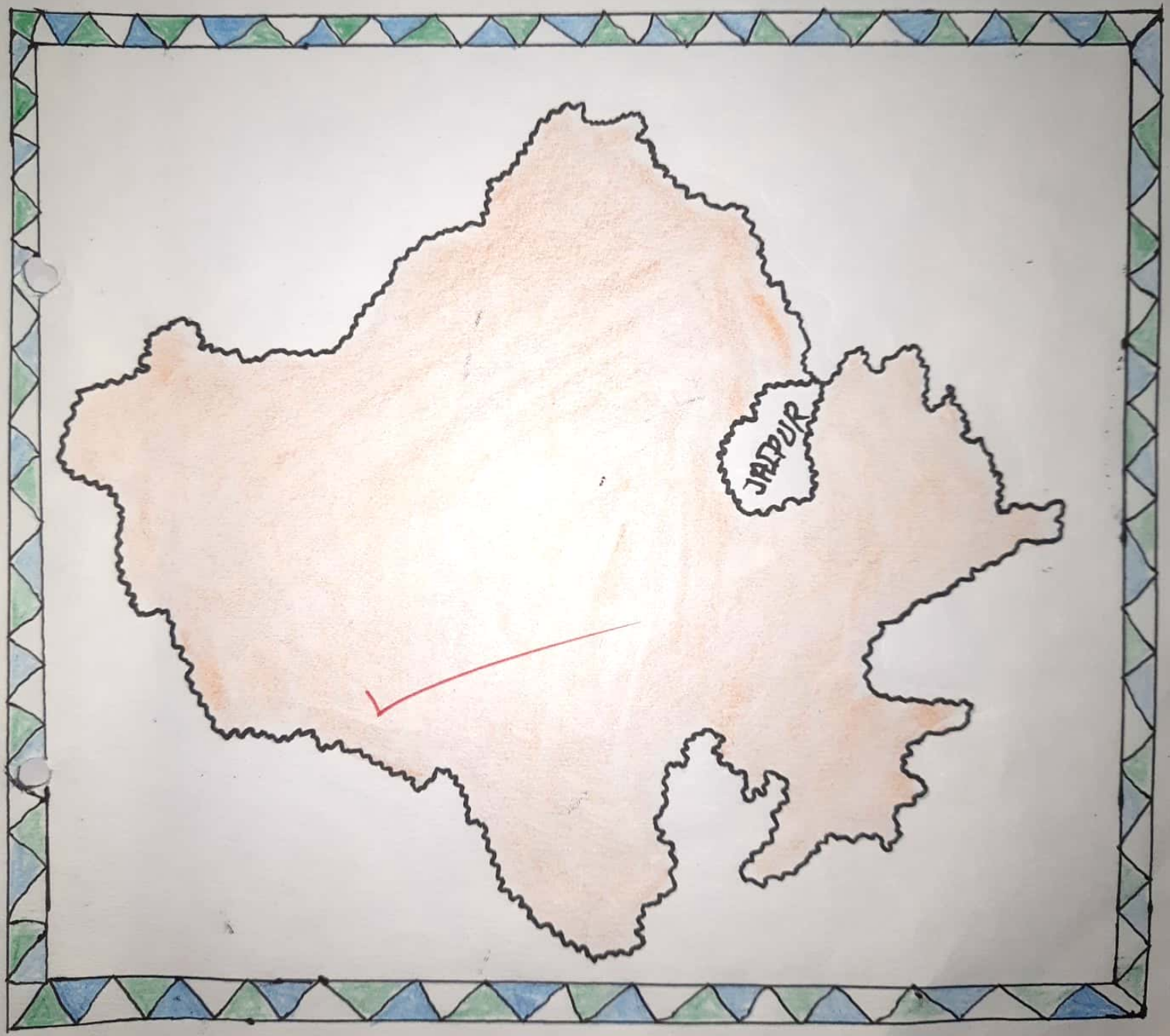

जयपुर जिले में शाहपुरा की स्थिति

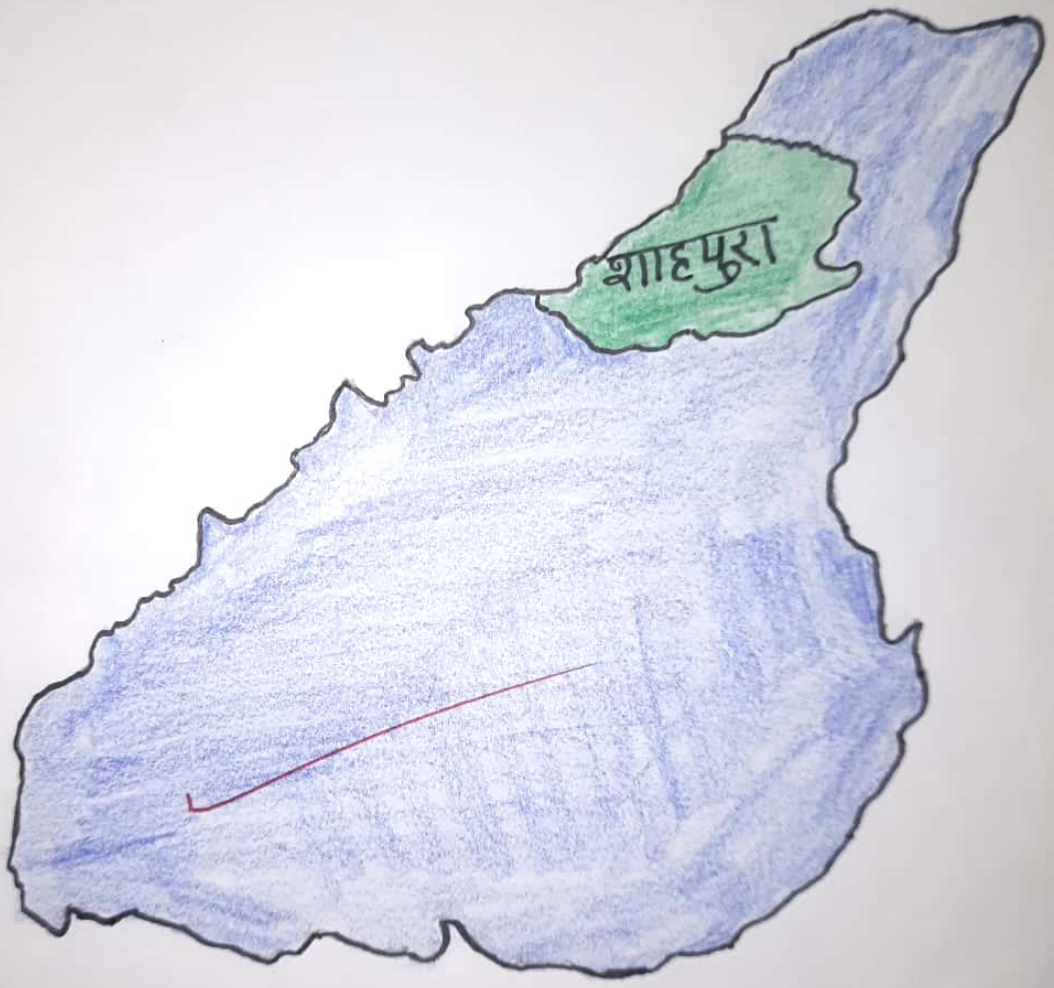

भौगोलिक सर्वेक्षण की विषय सूची।

क्र.सं.	परिचय
1	ग्राम का परिचय
2	ग्राम की स्थिति एवं विस्तार
3	भौगोलिक विशेषताएँ
4	जलवायु
5	प्राकृतिक वनस्पति
6	मृदा
7	कृषि
8	पशु सम्पदा एवं पशुपालन
9	खनिज सम्पदा
10	यातायात के साधन
11	जनसंख्या
12	धर्म रीति–रिवाज, खान–पान
13	ग्राम की समस्या एवं समाधान

Date
Page

बिशनगढ़ ग्राम पंचायत प्रस्तावना:-

यह बिशनगढ़ ग्राम का भौगोलिक क्षेत्रिय सर्वेक्षण है। सभी भौगोलिक लक्षण भू पटल पर असमान रूप से विस्तृत है। तथा इनमें कई प्रकार की विविधताएँ पाई जाती है जैसे भौगोलिक के अन्तर्गत धरातल, व्यवस्थाय वनस्पति मृदा संबंधी विविधताएँ सांस्कृति विविधताओं में कृषि, उद्योग शिक्षा, परिवहन विविधताएँ प्रमुख है इन सभी विविधताओं का अध्ययन किसी अन्य प्रयोगशाला में या किसी कृत्रिम यंत्र द्वारा नहीं किया जाता। इसके लिए संबधी क्षेत्र में जाकर उसकी योजना बनाकर उसका विस्तृत अध्ययन करना होता है। क्योंकि सभी क्षेत्रों में भौगोलिक, सांस्कृतिक विविधताएँ और विशेषताएँ अलग होती है। अतः क्षेत्र को समझने के लिए वहाँ जाकर समस्याओं को समझकर उसके विकास की योजनाएँ बनाई जा सकती है।

Date
Page

क्षेत्रीय सर्वेक्षण की आवश्यकता :-

भूपटल पर पाई जाने वाली क्षेत्रीय विषमताओं के कारण ही भौगोलिक लक्षणों जैसे उच्चावच, जलवायु, मिट्टी वनस्पति उद्योग तथा जीवन शैली आदि में व्यापक विभिन्नताएँ पाई जाती है अपने भौगोलिक पर्यावरण को समझने के लिए आवश्यक है कि भूगोल के विद्यार्थी भौगोलिक वातावरण के बीच होने वाली अन्योन्य क्रियाओं को अपनी स्वयं की आखो से देखे व समझे। भूगोलवेत्ता के पास इन अन्योन्य क्रियाओं का विस्तृत क्षेत्र है यही उसकी प्रयोगशाला है।

क्षेत्रीय सर्वेक्षण हेतू स्थान का चयन :-

क्षेत्रीय सर्वेक्षण मे कक्षा एम.ए पूर्वार्द्ध मे भूगोल के विद्यार्थीयो द्वारा बिशनगढ़ ग्राम, पंचायत समीति - शाहपुरा, जिला जयपुर का चयन किया गया

(9)

Date
Page

① गॉव का परिचय:-

बिशनगढ़ गॉव अरावली पहाड़ियों के बीच बसा एक छोटा सा गॉव है जो एक ग्राम पंचायत भी है माना जाता है कि बिशनगढ़ गॉव की स्थापना आज से लगभग 500 वर्ष पूर्व बिशन सिंह द्वारा की गई है। जो शाहपुरा दरबार के जागीदार थे। यह गॉव मनोहरपुर राडावास सड़क मार्ग पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 (दिल्ली मुम्बई) से 6 km दूरी पर स्थित है। गॉव के अधिकांश लोग कृषि कार्य मे संलग्न है। गॉव अरावली पहाड़ियों की तलहटियो मे बसा हुआ है ये पहाड़ियाँ माधोवेणी नदी का उद्गम क्षेत्र भी है। यह गॉव माधोवेणी नदी द्वारा बिछाई कांप मिट्टी पर बसा होने के कारण निचला भाग समतल बसा हुआ है तथा पहाडि की तलहटी का भाग उबड-खाबड भाग मे बसा हुआ है।

पशुपालन यहाँ के लोगो का अन्य महत्वपूर्ण कार्य है यहाँ विभिन्न जाति समुदायों के लोग निवास करते है जो परम्परागत जीवन शैली के साथ गुजर बसर करते है।

Date
Page

② स्थिति एवं अवस्थिति :-

यह गाँव राज. के जयपुर जिले की शाहपुरा तहसील में स्थित है। जो जिला मुख्यालय से लगभग 66 km उत्तर दिशा में है। तहसील मुख्यालय से शाहपुरा से 12 km द.प. से सड़क मार्ग द्वारा जुड़ा हुआ है इसके उ.दिशा में त्रिवेणी धाम दक्षिण दिशा मामटोरी पुर्व दिशा में मनोहरपुर नगरपालिका तथा प. दिशा में राडावास स्थित है। प्राकृतिक अवस्थिति के आधार पर यह अरावली पर्वतमाला की पहाड़ियों से घिरा हुआ

यह 27°18'0" उत्तरी अंक्षाश तथा 75°56'48" पुर्वी देशान्तर पर स्थित है।

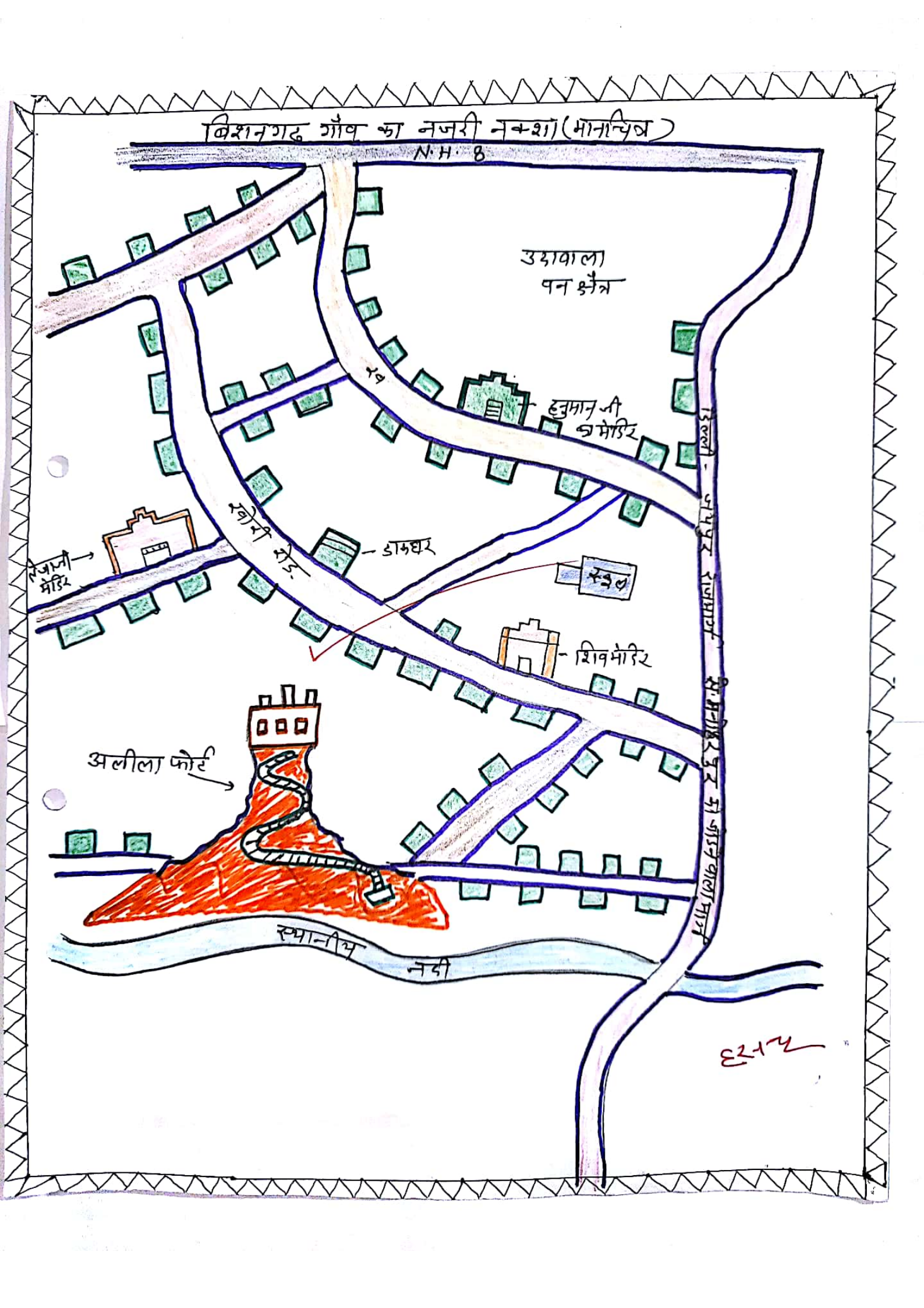

बिशनगढ़ गाँव का नजरी नक्शा (मानचित्र)

Date ______
Page ______

(3) भौगोलिक विशेषताएँ :-

प्रत्येक स्थान की अपनी कुछ भौगोलिक विशेषताएं होती है। जिन्हे उच्चावच के रूप मे जानते है जिनका वहाँ की जलवायु मे, वनस्पति अपवाह आदि पर बहुत प्रभाव पड़ता है यह गाँव पहाडि क्षेत्र पर बसता हुआ है जिसकी विशेषताए निम्न है :-

(अ) उच्चावच :-

यह गाँव पहाडि और नदि क्षेत्र मे होने के कारण यहाँ के ज्यादातर भाग मैदानी है तथा कुछ भाग पहाडि होने के कारण समतल तथा ऊबड़-खाबड़ है। पश्चिम के पहाडी क्षेत्र की तलहटी मे रेत के टीले नजर आते है।

(ब) जल प्रवाह एवं जलसंसाधन :-

वैसे सम्पूर्ण क्षेत्र मे पानी की कमी है पर अगर अच्छी वर्षा हो जाए तो कुएं व एनीकट और तालाब पानी से भर जाते है इस गाँव से होकर एक नदी भी गुजरती है माधोवेणी जो केवल वर्षा ऋतु मे ही बहा करती है।

(स) मिट्टी :-

धरातल की ऊपरी असंघटित पदार्थों की परत को मिट्टी कहते है। जिसका निर्माण चट्टानो के अपक्षय व अपरदन की लम्बी प्रक्रिया के कारण हुआ है।

स्थानीय माधोवेणी नदी के अपरदनात्मक प्रक्रिया द्वारा जलोढ़ मिट्टी का निर्माण हुआ है। मिट्टी का कुछ भाग रेतीला भी है।

Date ______
Page ______

(4) जलवायुः-

किसी भू भाग की दीर्घकालिक मौसमी दशाओ के औसत, को जलवायु कहा जाता है। जलवायु किसी भी क्षेत्र को समझने के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण तत्व है इसी कारण किसी क्षेत्र की कृषि, वेशभूषा, भोजन, रिति-रिवाज आदि प्रभावित होते है अतः किसी क्षेत्र की जलवायु का अध्ययन भूगोल मे महत्वपूर्ण है।

अगर बिशलगढ़ गॉव की जलवायु की बात करे तो राज० के पुर्वी भाग मे स्थित होने के कारण आर्द्र शुष्क जलवायु का क्षेत्र है ग्रीष्म ऋतु मे अत्यधिक गरमी शीत ऋतु मे अत्यधिक सर्दी, कोहरा आदि तथा वर्षा ऋतु मे वर्षा मानसुनी पवनो द्वारा होती है। शीतकाल मे कभी -2 पश्चिमी विक्षोभ से मावट भी हो जाती है।

ऋतुओ की स्पष्टता के कारण यहॉ सभी प्रकार की कृषि फसले की जाती है। जिसमे प्रमुख रूप से मानसून कालिन फसले है।

[signature]

Date
Page

Date
Page

(5) प्राकृतिक वनस्पति :-

किसी क्षेत्र की वनस्पति पर वहाँ की जलवायु व मिट्टी की विशेष भूमिका रहती है। यह क्षेत्र मानसूनी जलवायु में होने के साथ-2 पहाड़ी भी है जहाँ अन्य प्रकार की वनस्पति भी देखने को मिलती है। मानसूनी वनों में आम शिशम, नीम, आँवला आदि व उष्ण कटि. काँटेदार वनों में बबूल, खेजड़ी, केर, बेर रोहीड़ा, नागफनी पाए जाते हैं। इसके अलावा पहाड़ी ढालों पर घास के छोटे चारागाह भी है जहाँ गाँव के पशु चरते हैं।

सरकार द्वारा पहाड़ी क्षेत्रों में विदेशी बबूल, बड़ी मात्रा में वन क्षेत्र में लगाए गए हैं जो वर्तमान में एक हरी भरी नरसरी के रूप में विकसित है। लेकिन स्थानीय लोगों ने बताया कि यह बबूल लगातार कृषि क्षेत्र पर भी फैल रही है। जिससे कृषि योग्य भूमी खराब हो रही है।

स्थानीय लोगों के द्वारा अनेक वृक्ष लगाने की जागरूकता भी यहाँ देखी गई है जो पर्यावरण व मानव जीवन के लिए उपयोगि सिद्ध हो रही है।

इसके अलावा नदी क्षेत्र में जलोढ़ मृदा का जमाव भी है। अधिकतर जलोढ़ मृदा क्षेत्र सिंचित है।

जिसमे वर्षभर कृषि कार्य किया जाता है। जो यहाँ के कृषक वर्ग की आजीविका का प्रमुख स्त्रोत है।

फोटोः श्वेता बी के कुशवाहा

...फल-फूल रहा है। हालांकि बीते डेढ़ साल से

प्राकृतिक वनस्पती का दृश्य

(6) मृदा :—

भारत में अनेक प्रकार की मृदाएँ पायी जाती है जिनमे से एक पर्वतीय मृदा का विस्तार यहाँ ज्यादा है जो मोटे कणों वाली व नवीन मृदा है जिसमे पोटाश, चूना का अभाव व जीवांशो की मात्रा ज्यादा होती है।

इसके अलावा नदी क्षेत्रो मे जलोढ़ मृदा का जमाव भी है अधिकतर जलोढ़ मृदा क्षेत्र सिंचित है जिसमे वर्ष भर कृषि कार्य किया जाता है जो यहाँ के कृषक वर्ग की आजीविका का प्रमुख स्रोत है।

मृदा क्षेत्र का वृत्तारेख –

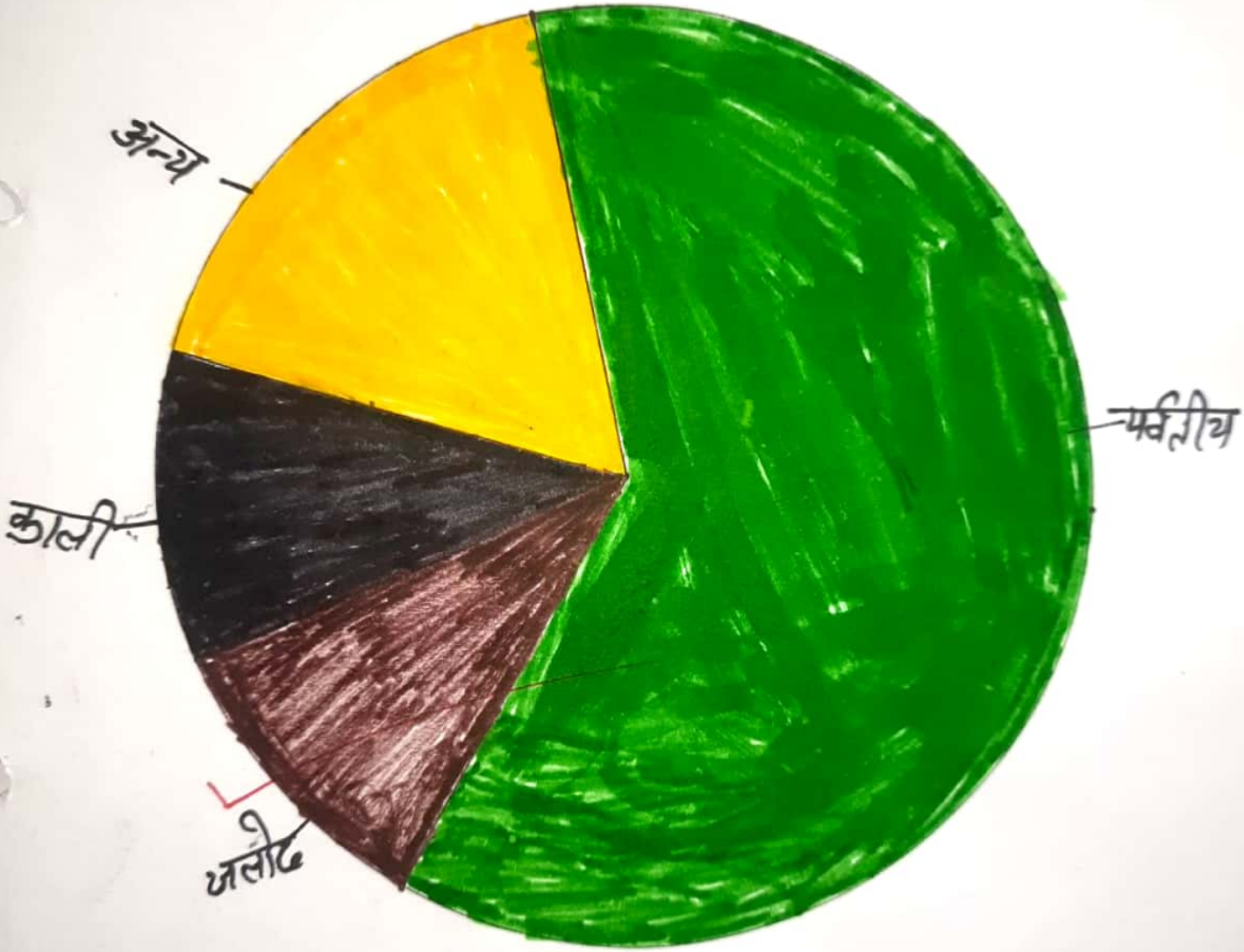

ग्रामीण महिला से मृदा की जानकारी लेते हुए सर्वेक्षक दल

7 कृषि:-

भारत एक गाँवो का देश होने के साथ-2 एक कृषि प्रधान देश भी है यहाँ के गाँवो मे अधिकतर लोग कृषि कार्य से ही अपनी आजीविका चलाते है। ये गाँव का इस बात इस गाँव पर पूरी तरह लागू होती है यहाँ के लगभग 72% लोग प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से कृषि कार्य से जुडे हुए है। कृषि यहाँ के लोगो का प्रमुख आर्थिक व्यवसाय है।

यहाँ कृषि भूमि की बात करे तो सम्पूर्ण क्षेत्र का केवल 40% भाग ही कृषि कार्यो मे उपयोग करने योग्य है अधिकतर भूमि पहाडि व अनाच्छादित है व कुछ भूमि चारागाह भूमि के अधीन है जिस पर गाँव के पालतु व अवारा पशु अपना पेट भरते है गाँव मे स्थित सम्पूर्ण भूमि का उपयोग निम्न प्रकार से हो रहा है।

	गाँव मे भूमि उपयोग	क्षेत्र प्रतिशत मे
1.	कृषि भूमि	39
2	कृषि योग्य अनुउपलब्ध भूमि	12
3	बंजर भूमि	8
4	चारागाह भूमि	11
5	वन भूमि	26
6	अन्य उपयोग हेतु भूमि	4

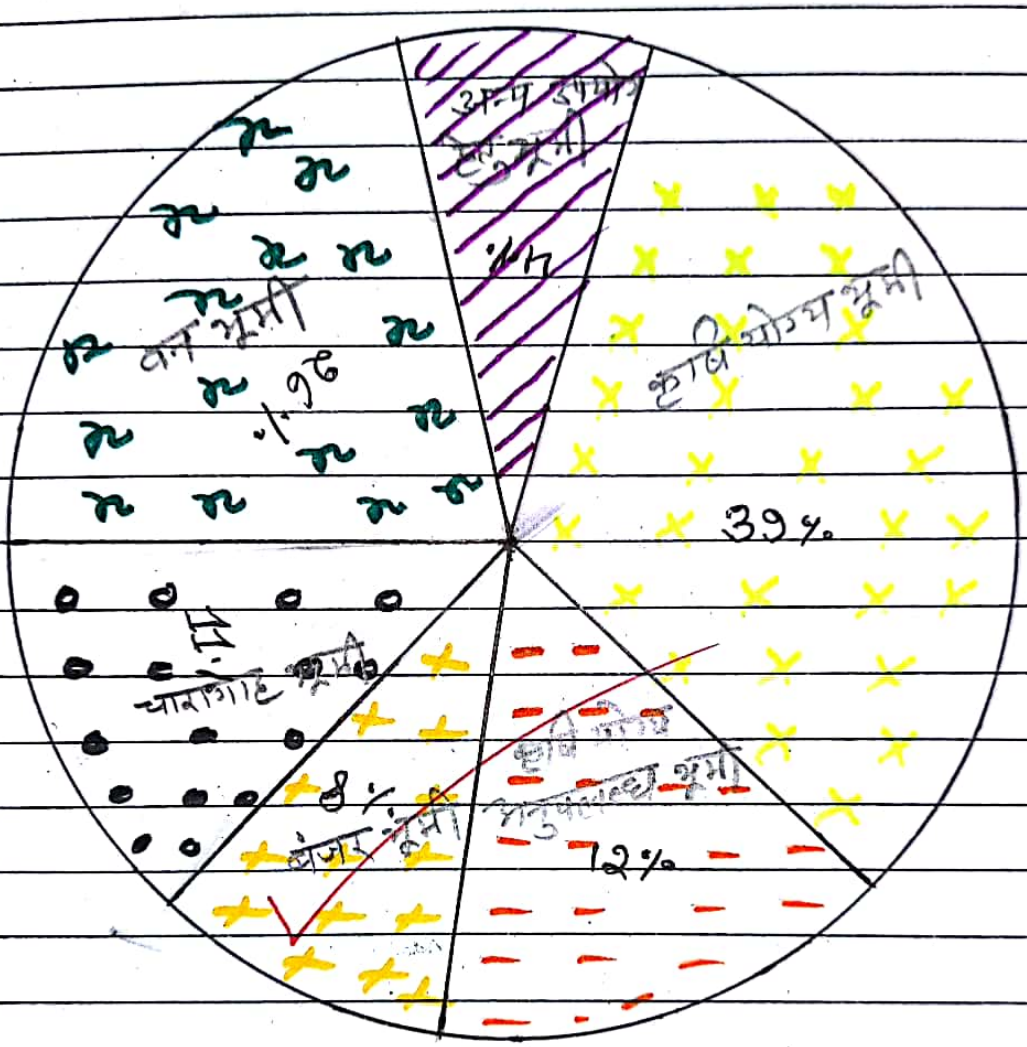

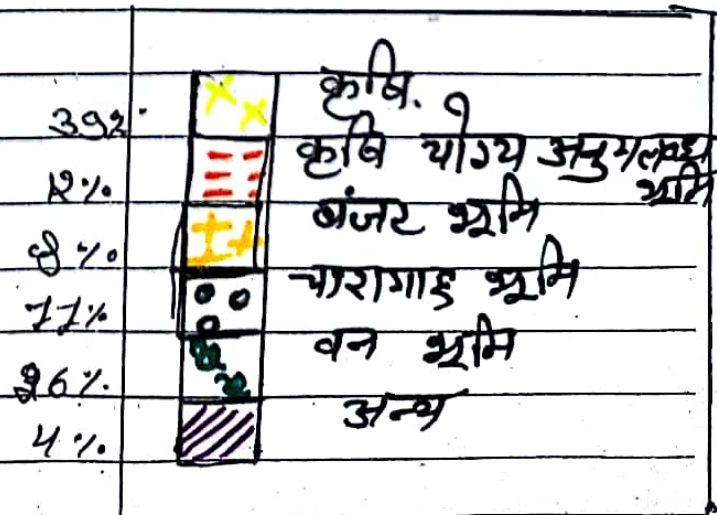

39%	कृषि
12%	कृषि योग्य अनुपलब्ध भूमि
8%	बंजर भूमि
11%	चारागाह भूमि
26%	वन भूमि
4%	अन्य

कृषि फसलों का निरीक्षण व जानकारी
प्राप्त करते हुए छात्र/छात्राओं का सर्वेक्षण दल

कृषि फसलें एवं सब्जियों का उत्पादन

यहाँ की कृषि मुख्य रूप से वर्षा पर आधारित है लेकिन कुछ भूमि पर सिंचाई के साधनों की उपलब्धता के माध्यम से सिंचित फसलें भी बोई जाती है सम्पूर्ण कृषि फसलों को हम तीन मुख्य फसलों में विभक्त कर सकते हैं।

1. खरीफ की फसल
   a. मक्का
   b. ज्वार
   c. बाजरा
   d. ग्वार
   e. मूंग

2. रबी की फसल
   a. गेहूं
   b. जौ
   c. चना
   d. सरसों

3. जायद की फसल
   ककड़ी
   खीरा
   तरबूज
   सब्जियां

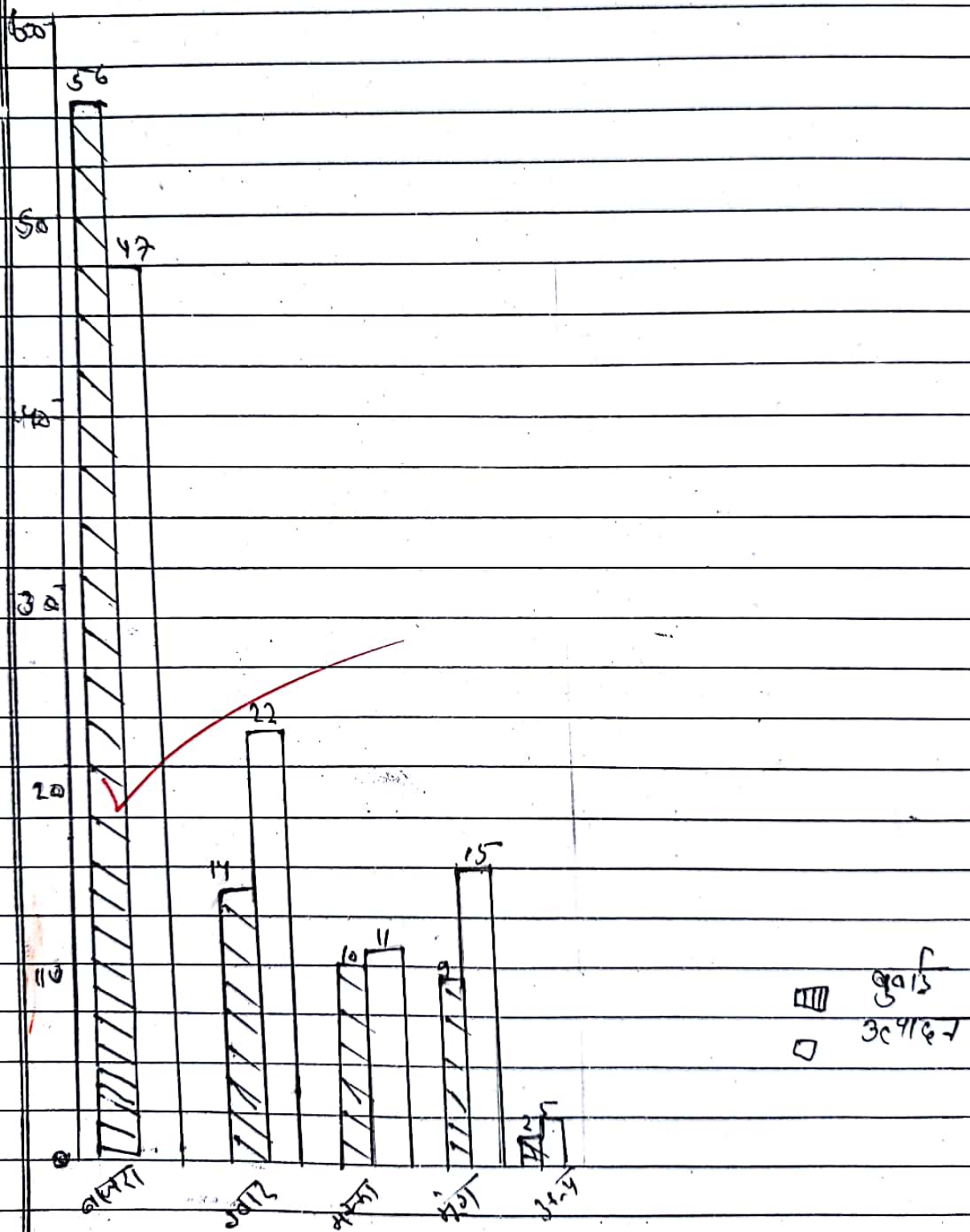

Date
Page

खरीफ की फसलें

ग्राम में कृषि फसलों व सिंचाई साधनों का दृश्य

फसल कृषि

जायद की फसल

जायद की फसल	प्रतिशत
टमाटर	40%
मिर्च	23%
बैंगन	13%
ककड़ी	10%
तरबुज	7%
अन्य	7%

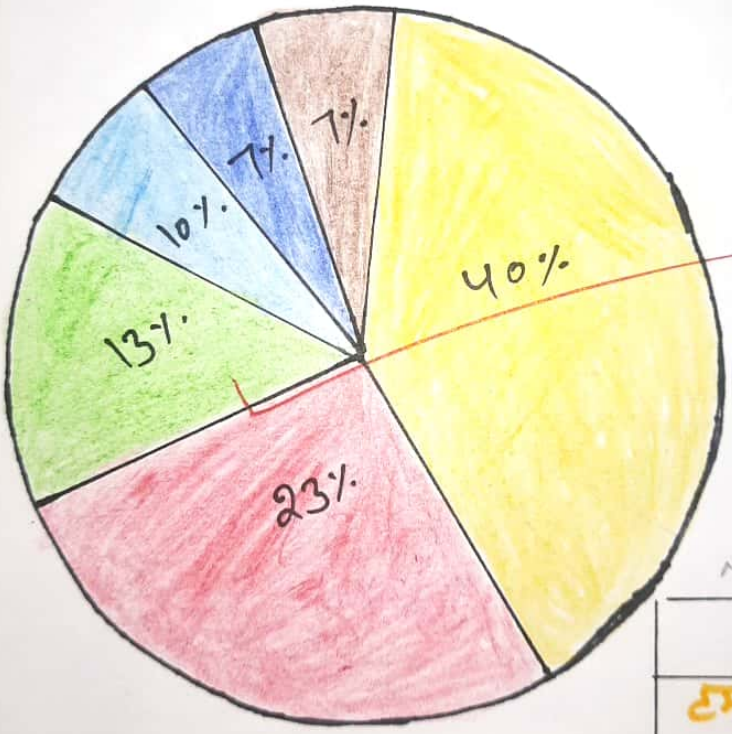

संकेत चिन्ह		
टमाटर		
मिर्च		
बैंगन		
ककड़ी		
तरबुज		
अन्य		

गॉव की अधिकतर कृषि भूमि असिंचित है ज्यादतर भूमि मानसून काल मे बोयी जाती है जिसमे मुख्य रूप से बाजरा, ग्वार का उत्पादन किया जाता है।
रबी की फसल मे गेहूँ जौ चना व सरसों का उत्पादन किया जाता है। जिन कृषकों के सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है वे जायद की फसल मे सब्जी व चारे की फसले भी बोते है।
सिंचाई के साधनो की बात करे तो मुख्य रूप से कुआ, ट्यूबवेल, व कुछ मात्रा मे एनीकटों से सिंचाई होती है।
कृषि कार्य पुराने तरीको को छोड़कर नवीन तरिको से किए जाने लगा जिसमे मुख्य रूप से फव्वारा व बूंद - 2 सिंचि सिंचाई मुख्य है। सिंचाई व कृषि कार्य मे किसान आधुनिक तरिको का उपयोग करते है। खेती मे देशी व अन्य रसायनिक बीजों का प्रयोग करते है।

Date ____
Page ____

(8) पशुपालन व पशुधन :-

बिशलगढ़ गाँव लोगो का कृषि के अलावा दूसरा महत्वपूर्ण व्यवसाय पशुपालन है यहाँ लोग पशुपालन को मिश्रित कृषि के रूप मे करते है लोग पशुपालन मे मुख्य रूप से बकरीयाँ, भैंस, भेड़ आदि को पालते है कुछ लोग गाय व ऊँट का पालन भी करते है।

	पशु	कुल संख्या
(1)	बकरी	1224
(2)	भेड़	768
(3)	भैंस	144
(4)	गाय	146
(5)	ऊँट	9
(6)	अन्य	123

पशु संम्पदा एवं पशुपालन

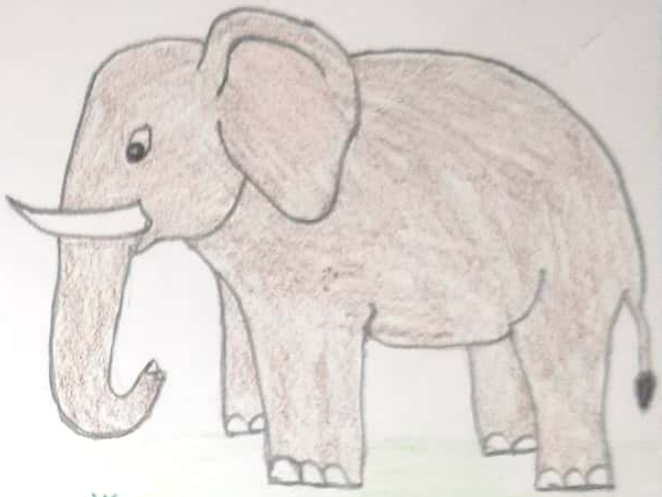

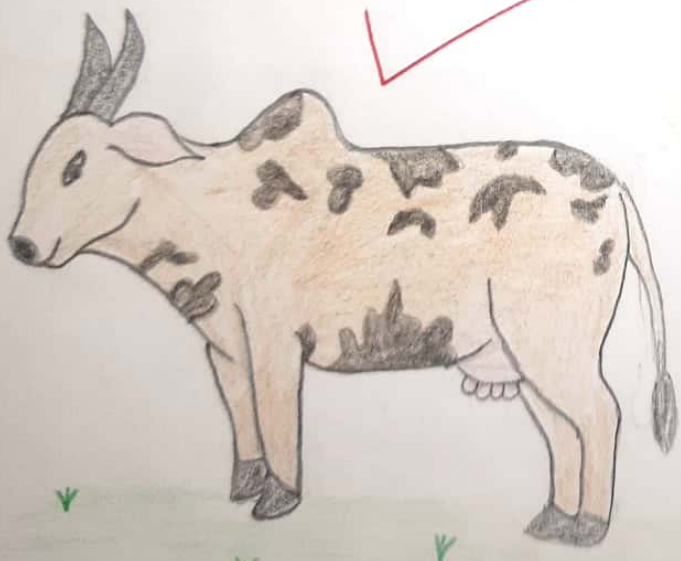

पशुपालन के ओर में जानकारी प्राप्त करते हुए सर्वेक्षक दल का दृश्य

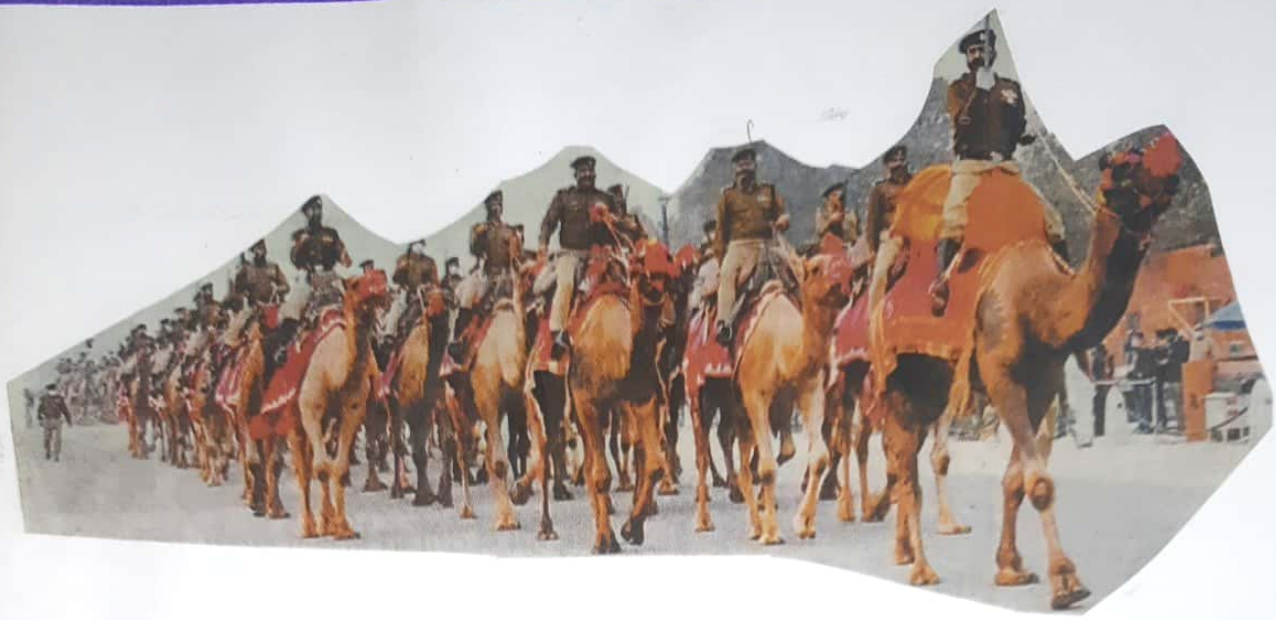

गाँव में पशुओं का दृश्य तथा पशु खेल प्रतियोगिता का दृश्य

(9) खनिज संपदाः-

यह पुरा क्षेत्र पहाडी है। यहा अनेक प्रकार के खनिज संसाधन होने की पुष्ठी की गई है। जिसमे एल्युमिनियम, लोहा, व तांबा है। इसके अलावा सम्पूर्ण क्षेत्र बलुवा पत्थर व कांग्लर पत्थर के लिए प्रसिद्ध है। जिसका अधिक मात्रा मे खनिखनन किया जाता है यह राज्य सरकार द्वारा मान्य प्राप्त खाने सम्पुर्ण क्षेत्र मे फैली हुई है। जिससे वर्तमान मे लोगो को रोजगार व आय दोनो प्राप्त हो रही है। खनिजो की मात्रा को देखते हुए लगता है कि आने वाले वर्ष इस क्षेत्र के लिए स्वर्णिम होंगे।

(10) आवागमन के साधन —

आवागमन के साधनों से तात्पर्य ऐसे साधनों से है जिनके माध्यम से यात्रियों व सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाया व ले लाया जा सके। किसी भी उन्नति में आवागमन के साधनों का विशेष महत्व होता है इस सम्बंध में विश्वनगढ़ की स्थिति बेहद ही खराब है यहाँ आवागमन के साधनों के नाम पर केवल निजी वाहनों का संचालन होता है, यह सार्वजनिक परिवहन के साधनों का अभाव है सार्वजनिक साधन के नाम पर केवल एक दो बसों का संचालन होता है यही कारण है कि आजादी के 75 सालों बाद भी इस क्षेत्र का विकास इतना नहीं हो पाया जितना होना चाहिए था अब धीरे धीरे इसमें सुधार हो रहा है जिसका फायदा क्षेत्र को अनेकों प्रकार से मिलने लगा है।

परिवहन के साधन

ट्रक

ट्रैक्टर

मोटर साइकिल

बस

मारुती

रेलगाड़ी

Date ____
Page ____

11 जनसंख्या:- किसी क्षेत्र मे निवास करने वाले लोगो की संख्या को उस क्षेत्र की जनसंख्या कहा जाता है जनसंख्या किसी क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण संसाधन है। क्योंकि वहाँ निवास करने वाले लोग ही उस क्षेत्र के भविष्य को निर्धारित करते है वहाँ निवास कर रहे है। जनसंख्या का विश्लेषण करके हम उस क्षेत्र का भविष्य देख सकते है।

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार बिशलगढ़ की कुल आवासों की जनसंख्या 299 थी। जिनमे कुल 1580 लोग निवास कर रहे थे जिसमे 814 पुरुष तथा स्त्री 766 थी। गाँव मे ज्यादातर मीणा जनजाति के लोग रहते है जिनकी संख्या 958 थी। इसके अलावा 76 व्यक्ति अनुसुचित जाति व बाकी अन्य जातियों के लोग निवास कर रहे थे। वही अब 0-6 वर्ष की जनसंख्या 251 थी जिसमें बालिकाओं की संख्या 113 थी जो कम लिंगानुपात को दर्शाता है।

Population

Census Parameter	Census Data
Total Population	1580
Total No of houses	299
female Population %	48.5% (766)
total Literacy rate %	49.0% (774)
female literacy rate	18.8% (297)
Scheduled Tribes Population %	60.6% (958)

Scheduled Caste Population % — 4.8 % (76)
Working Population % — 37.0 %
Child (0-6) Population by 2011 - 251
Girl child (0-6) Population % by 2011 - 45.0%
(113)

ग्रामीण बुजुर्ग पुरुष से परिवार व परिवार के सदस्यों की जानकारी प्राप्त करते हुए सर्वेक्षण दल का दृश्य

(12) अवसाय : —

अवसाय से तात्पर्य मानव के उन कार्यों से जिससे मानव को आय प्राप्त होती है मानव अपनी आजीविका चलाने के लिए किसी न किसी कार्य मे अवश्य लगा होता है मानव अवसायों को हम कई प्रकारो मे विभक्त करते हैं जिनमे मुख्यता प्राथमिक द्वितीयक तृतीयक व चातुर्थक है गाँव बिशनगढ़ की बात करें तो यह एक पहाड़ी क्षेत्र होने के साथ ही विकास मे मुख्य धारा से कटा हुआ है।

(1) प्राथमिक अवसाय : —

मानव के वे कार्य जो सीधे प्रकृति से जुड़े हैं या जिनसे कच्चे माल की प्राप्ती होती है। प्राथमिक कार्य कहलाते हैं। बिशनगढ़ के अधिकतर लोग इसी प्रकार के कार्यों मे संलग्न हैं

(2) द्वितीयक अवसाय : —

वे कार्य जिनके द्वारा प्राप्त कच्चे माल को नवीन वस्तु मे परिवर्तित किया जाता है द्वितीयक कार्य कहलाते हैं। कुल कार्यशील जनसंख्या का लगभग 10 प्रतिशत भाग इसमे संलग्न है।

(3) तृतीयक अवसाय : —

वे कार्य जिनमे मूल्य देकर सेवाएं दी या प्राप्त की जाती है तृतीयक अवसाय कहलाते हैं जिसमे मुख्य रूप से व्यापार, परिवहन, संचार, बीमा

व बीमा व पर्यटक आदि को माना जाता है इसके अलावा विभिन्न प्रकार की सरकारी सेवाओं को भी इसमें शामिल किया जाता है। गांव की कुल कार्यशील जनसंख्या का लगभग 20% सेवा क्षेत्र में लगा हुआ है।

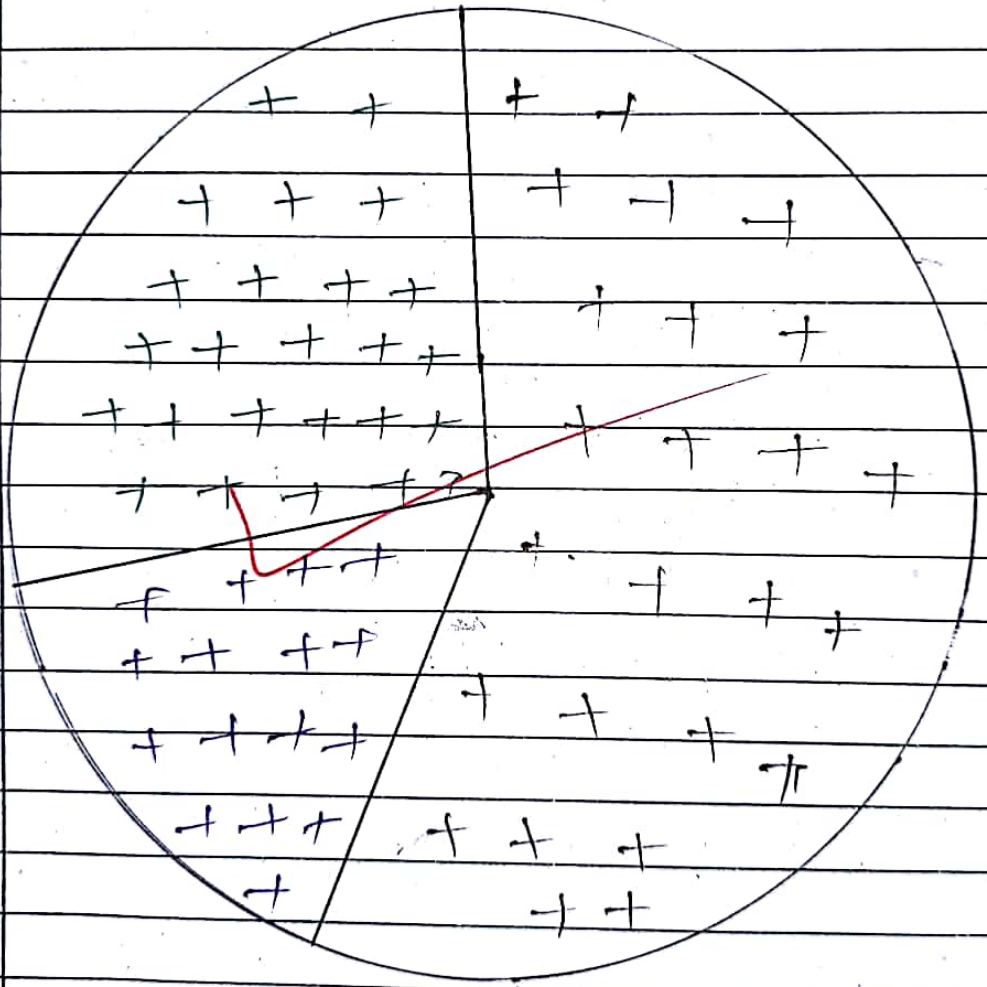

⊞ प्राथमिक अवलोप
⊞ द्वितीयक अवलोप
⊞ तृतीयक अवलोप

विश्व का आर्थिक इतिहास

ग्राम में व्यवसाय के बारे में जानकारी लेते हुए सर्वेक्षक दल का दृश्य

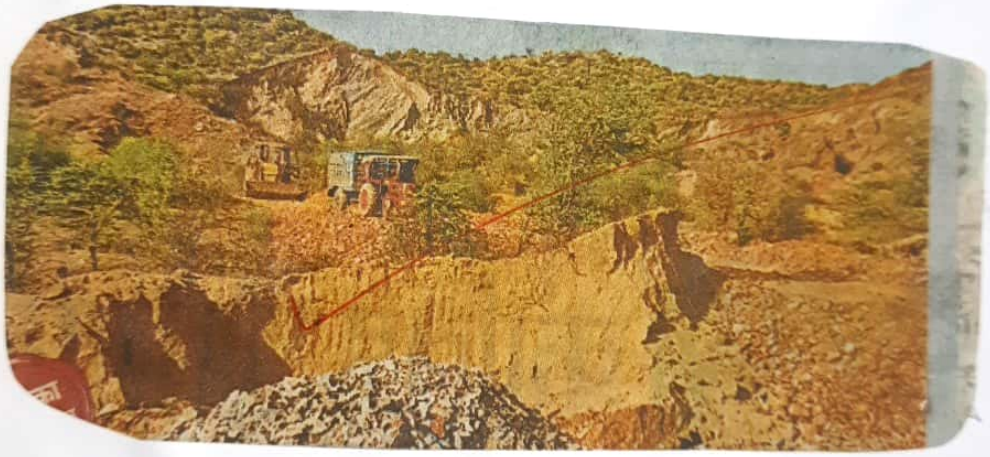

ग्राम में विभिन्न प्रकार के व्यवसायों का दृश्य

Topic .... Date .... Page No. ....

धर्म, रीति-रिवाज, खान-पान तथा संस्कृति

यहां पर सर्वाधिक जनसंख्या हिन्दू धर्म से सम्बन्धित है जिसमें विभिन्न जातियों के लोग निवास करते है।

जबकि दूसरा धर्म मुस्लिम धर्म है जो बिशनगढ़ गांव में निवास करती है। मुस्लिम धर्म से सम्बन्धित लोग छड्डीगर तथा लोहे से सम्बन्धित कार्य करते है।

यहां पर सभी जातियों के लोग तथा सभी धर्मो के लोग अपने धर्म व जाति से सम्बन्धित रीति-रिवाजों का वहन करते है। जैसे बच्चे के जन्म के समय कुआ पूजन कि प्रथा, तथा किसी कि मृत्यु होने पर मृत्यु भोज जैसी कुप्रथाएं भी प्रचलित है।

वेष-भूषा में यहां के लोग राजस्थानी वेश-भूषा जिसमें पुरूष धोती, कुर्ता, पेन्ट-शर्ट, पायजामा पहनते है। जबकि महीलाऐं ओढ़नी, घाघरा व शूट पहनती है।

आभूषणों में पुरूष कानों में कुड्की, हाथों में कड़ा, गले में माला, अंगुलियों में अंगुठी आदि पहनते है, जबकि महिलाऐं, झूमर, कंगन,

Teacher's Signature ....

POPU®

Date .....

Topic ..... Page No. .....

पैरों में पाजेब, नाक में नथ, गले में हार,
अंगुलियों में अंगुठी, कमर में कमर बन्द,
पहनते हैं)

Teacher's Signature .....

धर्म एवं संस्कृति

धर्म और संस्कृति

गाँव मे धार्मिक स्थल की जानकारी प्राप्त करते हुए सर्वेक्षक दल का दृश्य

Date ________
Page ________

(13) गाँव की मुख्य समस्याए एवं समाधानः—

(i) गाँव मे सबसे बडी समस्या पेय जल की है। जलस्तर नीचे चला गया है। वह वर्तमान मे भूमीगत जलस्त्रोत का जल फ्लोराइड युक्त होने से यह समस्या और भी बढ़ गई।

समाधानः—

① गाँव मे सार्वजनिक टंकी का निर्माण प्रत्येक घर तक शुद्ध जल पहुचाने का प्रयास करना चाहिए। फ्लोराइड की समस्या को दूर करने के लिए गाँव मे आँरो प्लान्ट भी सरकार के द्वारा लगाए जाए। लोगो को जागरूक करके जल संरक्षण के प्रयास करने चाहिए।

② गाँव की दूसरी मूल समस्या है उच्च स्थानो की कमी है जो सभी समस्या ओ की मूल जड़ है।

समाधानः—

गाँव का सीधा सम्पर्क पास के यहाँ शिक्षा का स्तर कम होने का यही कारण है यदि स्थानीय विद्यालयों संस्था: स्तर उ० मा. स्तर तक कर दिया जाए विद्यालय शिक्षा सभी गाँव वालो की पहुच तक होगी जिससे बौद्धिक विकास के साथ अन्य विकास भी आसान कर होगी।

7/2/2022

श्री कृष्ण महाविद्यालय
गोविन्दगढ़, तह. चौमू

Date
Page

परिवहन के साधनों का अभाव:-

समाधान:-

गाँव का सीधा संपर्क फारन के कस्बे व अन्य शहरी क्षेत्रों से हो इसके लिए गाँव को सड़क मार्ग से जोड़ा जाए छोटे नदी-नालों पर पुल बनाए जाए। जिससे प्रत्येक मौसम में अन्य स्थानों से सम्पर्क बना रहे।

7/2/2022

श्री कृष्ण महाविद्यालय
गोविन्दगढ़, तह. चौमू
जयपुर

SHRI KRISHAN MAHAVIDHYALAYA, GOVINDGARH (JAIPUR)

M.A. P. GEOGRAPHY STUDENTS LIST 2021-22

Sr. No.	Student Name	Father's Name	Mothar Name	Address	Mob. No.	
					1	2
1	2	3	4	5	6	7
1	AJAY KUMAR VERMA	MILAP CHAND VERMA				
2	AJAY KUMAWAT	BHANWAR LAL KUMAWAT				
3	ASHA KUMAWAT	CHANDRA PRAKASH KUMAWAT				
4	ASHOK KUMAR DEVENDA	ARJUN LAL DEVENDA	SANTOSH DEVI	NANGAL KALAN	8619679752	
5	AVINASH BHARDWAJ	MUKESH KUMAR SHARMA				
6	BABALI YADAV	NAVEEN KUMAR SHARM				
7	DEEPIKA SHARMA	RATAN LAL PARIHAR				
8	DINESH PARIHAR	BHAGWAN SAHAY YADAV				
9	KAILASH CHAND YADAV	BHAGWAN SAHAY YADAV	JHOONTHI DEVI	KHEJROLI	8104331830	
10	KAMLESH KUMAWAT	SOHAN LAL KUMAWAT	KOYALI DEVI	HEERA KA BAS	9001670177	
11	KIRAN YADAV	BHARTARI YADAV	MURLI DEVI	RAISINGH KA BAS	9829596003	
12	LUCKY YADAV	PRAHALAD YADAV	SARITA DEVI	GOVINDGARH	8079040628	
13	MAHENDRA SINGH SAMOTA	RICHHPAL SAMOTA				
14	MANISHA SAINI	LALLU RAM SAINI				
15	MANJU SAINI	MOHAN LAL SAINI				
16	MAYA YADAV	KANA RAM YADAV				
17	MONIKA MEENA	HANUMAN SAHAY MEENA				
18	NAMAN YADAV	RAMESHWAR PRAASAD YADAV				
19	OMPRKASH KUDI	RAM KARAN KUDI				
20	POOJA JAT	SHANKAR LAL JAT				
21	POOJA KUMARI SAINI	GEEGA RAM SAINI				
22	POOJA SAINI	KAILASH CHANDRA SAINI				
23	POOJA YADAV	AMEE LAL YADAV				
24	PRIYA GARED	SOHAN LAL GARED				
25	RAMESH JAT	RAM SINGH JAT				
26	RAVINDRA KUMAWAT	BHAGWAN SAHAI	SHANTI DEVI	BHUTERA		
27	SANA BANO RANGREZ	GULAMRASUL RANGREZ	HAMIDA BANO	GOVINDGARH	6376629192	
28	SANIYA KHAN	BHANWAR KHAN	RAJBALA	ITAWA BHOPJI	9057017413	9950794097
29	SANJAY MEENA	SOHAN LAL MEENA				
30	SANTOSH DABRIYA	RAMSWROOP DABRIYA				
31	SEEMA YADAV	BABU LAL YADAV	SITA DEVI	UDAIPURIA	9950448705	
32	SEEMA YADAV	GOPAL LAL YADAV	VIMLA DEVI	KHEJROLI	9461552607	
33	SHAITAN SINGH TANWAR	MURLIDHAR SAINI	SANTOSH DEVI	BHOJLAWA MORIJA	9829699449	9928043363
34	SHREERAM ASIWAL	DHANESH KUMAR ASIWAL	SUSHILA DEVI	GOVINDGARH	9929492903	
35	SOHAN LAL SAINI	MOTI RAM SAINI	REKHA DEVI	BHOJLAWA MORIJA	9521912423	9119142403
36	SURGYAN YADAV	GIRDHARI LAL YADAV				
37	TEENU PARIHAR	BADRI NARAYAN PARIHAR	VIMLA DEVI	CHIMANPURA MODE	7240541903	
38	VIJAY KUMAR VERMA	MILAP CHAND VERMA				
39	VIKAS JAT	MALI RAM JAT				
40	VIKRAM YADAV	MOHAN LAL YADAV	SEETA DEVI	SINGOD KHURD	7611849940	